CHEMICALS AND OF SOCIAL WELFAIR (SHRI RAGHU RAMAIAH) : (a) to (c) No, Sir. The number of employees involved is 323. These persons have been advised that the remarks regarding their deficiencies are not meant to blemish their respective service records, but are intended as suggestions for improving their performances. These are purely routine administrative matters concerning the undertaking, and do not call for any action by Government.

Security Paper Mill, Hoshangabad

7125. SHRI RAMACHANDRA VEERAPPA :
SHRI B. N. SHASTRI :
SHRI R. R. SINGH DEO :
SHRI D. N. DEB :

Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) the number of employees working in the Security Paper Mill at Hoshangabad which was inaugurated by him on the 9th March, 1968 ;

(b) how many of them are Indians and how many of them are foreigners ; and

(c) for how long the foreigners will continue to be employed by the Mill ?

THE DEPUTY PRIME MINISTER AND MINISTER OF FINANCE (SHRI MORARJI DESAI) : (a) 987 as on 7th April, 1968.

(b) Indians : 982

Foreigners : 5

(c) On present anticipations four of the foreign technicians would be employed for a year more. The fifth may, however, continue for some time more.

राजस्थान को सहायता

7126. **श्री ओंकार लाल बोहरा** : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजस्थान की कमजोर वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस राज्य के लिये चालू वर्ष में विशेष धनराशि नियत की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्योरा क्या है; और

(ग) विकसित राज्यों की तुलना में पिछड़े राज्यों को और विशेषतया राजस्थान को विशेष सहायता देने के बारे में अब तक क्या कार्यवाही की गई है ?

उप-प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) (क) : जी, नहीं ।

(ख) : यह सवाल पैदा ही नहीं होता ।

(ग) : राज्यों के लिए विकास योजनाओं के लिए केन्द्रीय सहायता की रकम निर्धारित करते समय विशेष रूप से पिछड़े हुए इलाकों की आवश्यकताओं का ध्यान रखा जाता है ।

राजस्थान में बिजली की दरें

7127. **श्री ओंकार लाल बोहरा** : क्या **सिंचाई और विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अन्य राज्यों की तुलना में राजस्थान में बिजली इतनी मंहगी होने के क्या कारण हैं; और

(ख) बिजली की दरों को समान करने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है ?

सिंचाई तथा विद्युत मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) : (क) राजस्थान में उद्योग और कृषि के लिये दी जा रही बिजली की दरें दूसरे राज्यों में लागू बिजली की दरों के लगभग बराबर ही हैं परन्तु घरेलू और व्यापार संबन्धी कामों के लिये दी जा रही बिजली की दरें अधिक हैं। इसका कारण यह है कि राज्य में चल रहे पुराने और अमितव्ययी वाष्पीय तथा डीजल केन्द्रों में बिजली उत्पन्न करने की लागत अधिक आती है और इसके अतिरिक्त घरेलू तथा व्यापार संबंधी कामों के लिये बिजली की मांग भी पर्याप्त नहीं है

(ख) राजस्थान सरकार राज्य बिजली बोर्ड राजस्थान में बिजली की सप्लाई की दरों को युक्तियुक्त बनाने के प्रश्न पर तब बिचार करेंगे । जब 1968-69 के अन्त तक राणाप्रताप